Exam. Code : 216303
Subject Code : 5418

M.A. Hindi 3rd Semester (Batch 2020-22)

PRACHIN AVEM MADHYAKALIN HINDI KAVYA

Paper—XI

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

सूचना :— प्रत्येक भाग में से कम से कम **एक** प्रश्न का चयन करते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न करें। **पाँचवां** प्रश्न किसी भी भाग में से किया जा सकता है। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

भाग—क

1. निम्नलिखित पद की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :—

मेरा-तेरा मनुआँ कैसे होई रे।
मैं कहता हूँ आँखिन देखी, तू कहता है कागद की देखी।
मैं कहता सुरझावन हारी, तू राख्यौ उरझाई रे।
मैं कहता तू जागत रहियो, तू रहता है सोई रे।
मैं कहता निर्मोही रहियो, तू जाता है मोही रे।
जुगन जगन समुझावत हारा, कही न मानत कोई रे।
तू तो रंडी फिरै बिहंडी, सब धन हारे खोई रे।
सतगुरु धारा निर्मल बाहै, वामै काया धोई रे।
कहत कबीर सुनो भाई साधो, तब ही वैसा होई रे।

2. निम्नलिखित पद की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :—

रोइ गँवाएउ बारह मासा। सहस सहस दुख एक एक साँसा।
तिलतिल बरिस बरिस बरु जाई। पहर पहर जुग जुग न सिराई।
सो का आउ पिउ रूप मुरारी। जासों पाक सोहाग सो नारी।
साँझ भए झुरि झुरि पँथ हेरा। कौनु सो घरी करै पिउ फेरा।
दहि कोइल मैं कंत सनेहा। तोला माँस रहा नहि देहा।
रक्त न रहा बिरह तव गरा। रतौ रतौ होइ नैनहि ढरा।
पाव लागि बेरी धनि हाहा। चूरा नेहु जोरु रे नाहा।

भाग—ख

3. अमीर खुसरो के काव्य की मूल संवेदना पर चर्चा कीजिए।
4. गुरु गोरखनाथ का परिचयात्मक वर्णन कीजिए।

भाग—ग

5. कबीर की भक्ति भावना का विवेचनात्मक परिचय दीजिए।
6. रविदास जी का परिचय दीजिए।

भाग—घ

7. पद्मावत के महाकाव्यत्व पर विवेचनात्मक चर्चा कीजिए।
8. जायसी के काव्य में 'रहस्यवाद' विषय पर विवेचनात्मक निबन्ध लिखिए।